

भारत ने डब्ल्यूटीओ में बीजिंग से माँस, फार्मा और आईटी उत्पादों के नरियात के लिये बाधाओं को कम करने को कहा

संदर्भ

भारत ने विश्व व्यापार संगठन में चीन को चेतावनी दी है कि देश के साथ 63 अरब डॉलर का व्यापार घाटा अस्थिर था और इस अंतराल को भरने के लिये केवल वचनबद्धता ही पर्याप्त नहीं है।

प्रमुख बट्टि

- डब्ल्यूटीओ में चीन की व्यापार नीतिकी समीक्षा के दौरान भारत ने कहा कि बीजिंग को चावल, माँस, फार्मास्यूटिकल्स और आईटी उत्पादों आदि के संबंध में व्यापार बाधाओं को कम किये जाने के गंभीर प्रयास करने की आवश्यकता है।
- भारत ने नरिशा व्यक्त करते हुए कहा है कि बोवाइन माँस समेत कृषि नरियात को कठोर और अपारदर्शी नयामक कानूनों के कारण बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है।
- इसके साथ ही कठोर और अपारदर्शी नयामक कानूनों तथा चीनी सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के वसितार के कारण भारतीय जेनेरिक उत्पादक चीन के बाजार तक पहुँचने में असमर्थ रहे हैं।
- भारत ने यह भी कहा कि चीन के खाद्य एवं औषधि प्रशासन को भारतीय फार्मा कंपनियों के लिये कार्यशालाएँ आयोजित करनी होगी ताकि ये कम्पनियों यहाँ के बाजार में पहुँच स्थापति कर सकें।
- इस दौरान चीनी राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों (एसओई) और भारतीय आईटी क्षेत्र के बीच सहयोग की गुंजाइश पर भी चर्चा की गई कि यह क्षेत्र कस्टम समाधान हेतु अत्याधुनिक डिजाइन उपलब्ध करा सकता था।
- भारतीय कंपनियों के लिये सेवा क्षेत्र की चुनौतियों में एसओई के विभिन्न अनुबंधों जसमें ज़रूरी योग्यता, लाइसेंसिंग तथा कराधान से संबंधित जटिल आवश्यकताएँ शामिल हैं।